UP Board Notes Class 8 Hindi Chapter 1 भोजस्य राज्यप्राप्ति (अनिवार्य संस्कृत)

पुरा धाराराज्य ..... राज्यं कुरु।"

हिन्दी अनुवाद – प्राचीन काल में धारा राज्य में सिन्धुल नामक राजा ने प्रजा पर शासन किया। उसकी वृद्धावस्था में भोजु नामक पुत्र पैदा हुआ। जब वह पाँच वर्ष का था तब उसके पिता ने अपना बुढ़ापा जानकर छोटे भाई 'महाबली मुञ्ज से कहा- "तुम मेरे पुत्र भोज का पालन करो। वह जब तक इस राज्य के भार को सहने में सक्षम हो, तब तक तुम ही राज्य करो।"

विदडगत ..... अवाचयत्|

हिन्दी अनुवाद – राजा के मरने पर मुञ्ज की पाप-बुद्धि पैदा हुई कि यह बालक जब जवान होगा, तब मैं राजा नहीं होऊँगा। इसलिए उसने भोज को मारने का निश्चय करके अपने मित्र वत्सराज से कहा, तुम भुवनेश्वरी जंगल में रात्रि में भोज को मारकर उसका सिर मुझे दो।" वत्सराज भोज को रात में भुवनेश्वरी मन्दिर ले जाकर बोला "राजा ने आपको मारने का आदेश दिया है।" उस समय भोज ने अपने खून से वट पत्र पर एक श्लोक लिखा। उस श्लोक के द्वारा वैराग्य को प्राप्त हुए वत्सराज ने भोज को भूमिगत तहखाने में छिपा दिया। स्वयं कृत्रिम मस्तक राजा को देकर कहा " श्रीमान जैसा आदेश मिला, वैसा पूरा किया।" उसने भोज के उस पत्र को राजा को दे दिया। राजा ने पत्र के अक्षरों को पढ़ा

श्लोक-मान्धाता ..... यास्यति॥

हिन्दी अनुवाद – सतयुग के आभूषण राजा मान्धाता भी पृथ्वी से चले गए। जिन्होंने समुद्र पर सेतु का निर्माण कराया, दशानन का वध करने वाले वे राम कहाँ हैं? अर्थात् वे भी धरती पर नहीं रहे। राजन्! युधिष्ठिर आदि अन्य प्रसिद्ध राजा भी स्वर्ग सिधार गए। इस प्रकार हे मुञ्ज! किसी एक के भी साथ पृथ्वी नहीं तो क्या तुम्हारे साथ जाएगी? नहीं।

राजा ..... जगाम।

हिन्दी अनुवाद – राजा श्लोक के अर्थ पर विचार करके अत्यन्त लज्जित हुआ और प्रायश्चित रूप से शरीर को अग्नि में जलाने के लिए तैयार हो गया। उसी क्षण 'भोज जीवित है' ऐसा रहस्य वत्सराज ने खोला। उससे अत्यन्त प्रसन्न होकर मुञ्ज भोज को राजसिंहासन पर स्थापित करके स्वयं पत्नी सहित तपोवन को गया।

https://www.evidyarthi.in/